



जबलपुर, कटनी, सतना में दबिश देकर पकड़ा, 2 करोड़ रुपए से ज्यादा ठगे हैं

डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह के 12 सदस्य गिरफ्तार



जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। जबलपुर की स्टेट सायबर सेल व एसटीएफ की टीम ने सायबर ठग गिरोह के 12 सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों को जबलपुर, कटनी, मैहर व सतना में दबिश देकर पकड़ा है। गिरोह ने अभी तक करीब दो करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की है।

बताया गया है कि स्टेट सायबर सेल को लगातार शिकायतें मिल रही थी कि मध्यप्रदेश में एक ऐसा गिरोह सचालित हो रहा है। वे लोग फोन करने के बाद पहले तो पुलिस अधिकारी बनकर थमकी देते थे।

फिर डिजिटल अरेस्ट कर लाखों-करोड़ों रुपए ऐंठते हैं। इसके बाद अधिकारियों ने एक टीम बनाकर जांच शुरू की, जांच के दौरान पता चला कि गिरोह के सदस्य जबलपुर, कटनी, मैहर व सतना में हैं जो लोगों को डिजिटली अरेस्ट कर रहे हैं।

जिसपर लगातार सेल व एसटीएफ की 15 सदस्यीय टीम ने चारों स्थानों पर दबिश देते हुए 12 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों को आज कोर्ट में पेश कर पूछताछ के लिए दो सप्ताह का रिमांड लिया है।

साइबर टीम ने शुरूआती जांच में पाया

कि अभी तक दो करोड़ रुपए से अधिक की ठगी इन साइबर ठगों ने की थी। अधिकारियों का कहना है कि गिरोह में अभी और भी सदस्य हैं। जिनके बारे में पूछताछ की जा रही है। अभी तक की पूछताछ में यह पता चला कि ये लोग कम पढ़े तिथे व बृद्धजनों को अपना निशाना बनाते हैं।

गोप्तवत वह है कि साइबर ठगी के दो मामलों में दो बुजुओं से करीब 15 करोड़ रुपए के फॉड के मामले सामने आए हैं। दोनों मामले मुंबई के हैं। जलासाजों ने 77 साल की महिला को एक महीने तक

डिजिटल अरेस्ट रखा। ठग ने स्वयं को लाए एनोर्समेंट अधिकारी बताकर 3.8 करोड़ रुपए ट्रांसफर कराए थे। वहीं 75 साल के रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट से हाई रिटन दिलाने का ज्ञान देकर फसाया। इसके बाद आपके नवंबर के बीच 11.16 करोड़ रुपए ठग लिए। एक और मामला सामने आया था कि जिसमें मऊंज में एक महिला शिक्षक ने आंतोलान फॉड से परेशान होकर अपनी जान दे दी। बदमाश लगातार फोन पर महिला को धमकी देते रहे कि उसने चोरी का सामान मंगाया है, जिससे वह परेशान हो गई थी।



जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। आयुक्त श्रीमती प्रीति यादव के निर्देशानुसार मदन महल कृपाल चौक तथा फ्लाइंग ओवर ब्रिज के आसपास लगभग 12 देले टपरे तथा अन्य अतिक्रमण हटाए गए। दल प्रभारी ब्रज किशोर तिवारी तथा टीम के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

डं के प्रकोप से बघाने के लिए निगमायुक्त ने खुले आसमान के नींवे जीवन धारण करने वाले निराशितों के लिए शुरू की नई पहल

रेन बसरों के अलावा जुगाड़ से कमाल योजना में पुरानी बसों को आश्रय स्थल के रूप में परिवर्तित कर निराशितों को आश्रय देने का कार्य जारी



जबलपुर। निगमायुक्त श्रीमती प्रीति यादव की नई पहल के संबंध में उपायुक्त श्रीमती अंकिता जैन ने जानकारी देते हुए बताया कि नगर निगम सीमा अंतर्गत शीत रक्तु के प्रभाव से बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा सचालित आश्रय स्थलों में ठहराये जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा सचालित आश्रय स्थलों में ठहराये जाने का कार्य किया जा रहा है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

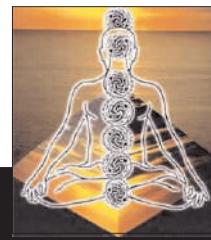
जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था बनायी रखता है।

जुगाड़ से कमाल करते हुए पुरानी बसों एवं अन्य ऐसी बस्तुएं जिसके आश्रय के रूप में परिवर्तित किया जा सकता है, को आवश्यक व्यवस्थाओं एवं सुविधाओं जैसे गर्दे, तकिये, कंवल, चादर इत्यादि से सुसज्जित कर निराशित जैनों के बचाव देता है। उन्होंने बताया कि नगर निगम द्वारा संभागीय अधिकारी विभागों के देवां व अन्य संस्थानों के बचाव के लिए एक नियमित व्यवस्था ब



पूजा हमेशा पूर्व या उत्तर की ओर मुँह करके करनी चाहिए, हो सके तो सुबह 6 से 8 बजे के बीच में करें। पूजा जमीन पर आसन पर बैठकर ही करनी चाहिए, पूजा गृह में सुबह एवं शाम को दीपक, एक घी का और एक तेल का रखें। पूजा अर्चना होने के बाद उसी जगह पर खड़े होकर 3 परिक्रमाएं करें। पूजाघर में मौतियाँ 1, 3, 5, 7, 9, 11 इत्तर तक की होनी चाहिए, इससे बड़ी नहीं तथा खड़े हुए गणेश जी, सरस्वतीजी, लक्ष्मीजी, की मूर्तियाँ घर में नहीं होनी चाहिए। गणेश या देवी की प्रतिमा, तीन, तीन शिवलिंग, दो शालिग्राम, दो सूर्य प्रतिमा, दो गोमती चक्र, दो की संख्या में कदापि न रखें।

होंडा और निसान के विलय

होंडा और निसान के विलय का फैसला विश्व कार बाजार के तेजी से बदले रूप की एक मिसाल है। बदलाव के कारण हैं कार उपभोक्ताओं के बीच ईवी की बढ़ी मांग और ईवी के बाजार में चीनी कंपनियों के छान। कभी होंडा और निसान कंपनियों का कार ज्यादा कास्टा हासिल करने के लिए एक दूसरे से होंड करती थी। लेकिन अब इन दोनों जापानी कंपनियों ने अपने में विलय का एलान किया है। यह असाधारण घटना है। असल में यह विश्व कार बाजार के तेजी से बदले रूप की एक मिसाल है। इस परिवर्तन के दो प्रमुख आयाम हैं कार उपभोक्ताओं के बीच इलेक्ट्रिक से चलने वाली कारों (ईवी) की तेजी से बढ़ी मांग और ईवी के बाजार में चीन की कंपनियों- खासकर बीवी-इंडी का छान।

पांच साल पहले शाद ही ये कोई सोचता था कि निम्न त्रियों की मैनुफैक्चरिंग से आगे बढ़ते हुए चीन कार के बाजार पर भी अपना दबदबा बनने लगेगा। लेकिन आज ऐसा हो चुका है। इससे जर्मनी और जापान की कार निर्माता तामां बड़ी कंपनियों अपने को दबाव में महसूस कर रही हैं। इन कंपनियों की महारत पेट्रोल/डीजल/गैस से चलने वाली कारों के निर्माण में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्राप्ति की है, लेकिन कोशल के मार्चों पर वे पिट रही हैं। चीनी कारों उनकी तरफ खिंच जाते हैं कि स्वाभाविक रूप से खरीदार जर्मनी की मार्चों में रही हैं। यही ताल जापान की कंपनी फॉकस्वागम की मुसीमी को खबरें सुरियों में रही हैं। यही हाल जापान और दक्षिण कोरियाई कंपनियों का है। चीन का बड़ा बाजार तेजी से उनके हाथ से निकला है।

विमान हादसों से कई तरह के सवाल तू

रजनीश कपूर

ताजा विमान हादसे ने दुनिया भर के हवाई यात्रियों और विमान विशेषज्ञों के मन में एक बार फिर से कई तरह के सवाल उठा दिए हैं।

क्या हवाई यात्रा प्रदान करने वाली एयरलाइन कंपनियाँ यात्री सुरक्षा के साथ समझौता तो नहीं कर रहे क्या विमान कंपनियों और एयरलाइंस पर निगाह रखने वाले नागरिक उड़ान मंत्रालय व उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

सन् 2024 के अखिरी साल में एक के बाद एक कई विमान हादसों की खबर आई। इनमें कई बेक्सर लोगों ने अपनी जान भी गवाई। परंतु जब कोई विमान हादसा होता है संबंधित जाँच विभाग उड़ानों के कारणों की जांच में जुट जाते हैं। जाँच से बात है कि हादसे के जाँच होना तो लाजमी है। परंतु जब जब-जब विमान हादसे होते हैं और हादसों की जाँच की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय व उससे संबंधित विभाग और एयरलाइंस इन रिपोर्टों को गंभीरता से लेते हैं।

ताजा उदाहरण दक्षिण कीर्ति के मुआवर हवाई अड्डे पर हुए जैजु एयरलाइंस के मुआवर हवाई अड्डे पर हुए जैजु एयरलाइंस के मुआवर हवाई आयोजन रखने वाले लगेगा। लेकिन आज ऐसा हो चुका है। इससे जर्मनी और जापान की कार निर्माता तामां बड़ी कंपनियों अपने को दबाव में महसूस कर रही हैं। इन कंपनियों की महारत पेट्रोल/डीजल/गैस से चलने वाली कारों के निर्माण में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्राप्ति की है, लेकिन कोशल के मार्चों पर वे पिट रही हैं। चीनी कारों उनकी तरफ खिंच जाते हैं कि स्वाभाविक रूप से खरीदार जर्मनी की मार्चों में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्राप्ति की है, लेकिन कोशल के मार्चों पर वे पिट रही हैं। ताजा विमान हादसे के बाबी विमानों की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय व उससे संबंधित विभाग और एयरलाइंस इन रिपोर्टों को गंभीरता से लेते हैं।

ताजा विमान हादसे के बाबी विमानों के लिए लैंडिंग गियर खुल नहीं पाए। परंतु एवं देखा जाते हैं कि विमान के लैंडिंग गियर खुल नहीं पाए। एवं तब जब कोई विमान हादसा होता है संबंधित जाँच विभाग उड़ानों के कारणों की जांच में जुट जाते हैं। जाँच से बात है कि हादसे के जाँच होना तो लाजमी है। परंतु जब जब-जब विमान हादसे होते हैं और हादसों की जाँच की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय व उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

जैजु विमान हादसे का बीड़ीयों देखने से बात चलती है। लेकिन आज ऐसा हो चुका है। इससे जर्मनी और जापान की कार निर्माता तामां बड़ी कंपनियों अपने को दबाव में महसूस कर रही हैं। इन कंपनियों की महारत पेट्रोल/डीजल/गैस से चलने वाली कारों के निर्माण में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्राप्ति की है, लेकिन कोशल के मार्चों पर वे पिट रही हैं। ताजा विमान हादसे के बाबी विमानों की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय या उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

जैजु विमान हादसे के बाबी विमानों के लिए लैंडिंग गियर खुल नहीं पाए। परंतु एवं देखा जाते हैं कि विमान के लैंडिंग गियर खुल नहीं पाए। एवं तब जब कोई विमान हादसा होता है संबंधित जाँच विभाग उड़ानों के कारणों की जांच में जुट जाते हैं। जाँच से बात है कि हादसे के जाँच होना तो लाजमी है। परंतु जब जब-जब विमान हादसे होते हैं और हादसों की जाँच की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय या उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

जैजु विमान हादसे के बाबी विमानों की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय या उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

जैजु विमान हादसे के बाबी विमानों की रिपोर्ट आती है, तो क्या वास्तव में इन रिपोर्टों से सबक लिए जाते हैं कि विभव में ऐसे हादसे न हों क्या विश्व भर के नागरिक उड़ान मंत्रालय या उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

विशेषज्ञों के मुताबिक केवल पक्षी के टकराने से इतना बड़ा हादसा नहीं हो सकता।

गोरतलब है कि जाहां-जाहां भी एयरपोर्ट बनते हैं वहाँ पर विमान विशेषज्ञों के मन में एक बार फिर से कई तरह के सवाल उठा दिए हैं।

क्या हवाई यात्रा प्रदान करने वाली एयरलाइन कंपनियाँ यात्री सुरक्षा के साथ समझौता तो नहीं कर रहे क्या विमान कंपनियों और एयरलाइंस पर निगाह रखने वाले नागरिक उड़ान मंत्रालय व उसके अधीन विभाग यात्री सुरक्षा और विमानों के रख-रखाव में ढील तो नहीं बरत रहे जू हर देश के नागरिक उड़ान मंत्रालय को गंभीरता से ही लेना चाहिए।

जैजु विमान हादसे का बीड़ीयों देखने से बात चलती है। लेकिन आज ऐसा हो चुका है। इससे जर्मनी और जापान की कार निर्माता तामां बड़ी कंपनियों अपने को दबाव में महसूस कर रही हैं। इन कंपनियों की महारत पेट्रोल/डीजल/गैस से चलने वाली कारों के निर्माण में रही है। मगर विश्व बाजार में ऐसी कारों की मांग तेजी से घटी है। ईवी के क्षेत्र में इन कंपनियों ने प्राप्ति की है, लेकिन कोशल के मार्चों पर वे पिट रही हैं। ताजा विमान हादसे के बीड़ीयों देखने से बात



मोदी सरकार का बड़ा फैसला, राजधान में बनेगी प्रणव मुखर्जी की समाधि

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने एक बड़ा फैसला लेते हुए दिवंगत पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी की समाधि बनाने के लिए राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 'राष्ट्रीय स्मृति' परिसर यादव को चिह्नित करने को मंजूरी दी है।

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी जी से मुलाकात की और बाबा के लिए एक स्मारक बनाने के उनके सरकार के फैसले के लिए दिल्ली से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की। यह और भी अचिक सराहन्य है, क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था। प्रधानमंत्री के इस अप्रत्याशित दयाभाव और कृतज्ञता से मैं बहुत प्रभावित हूं। शर्मिंग मुखर्जी ने ट्रीट कर यह जानकारी दी है।'

उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री नेंद्र मोदी जी से मुलाकात की और बाबा के लिए एक स्मारक बनाने के उनके सरकार के फैसले के लिए दिल्ली से आभार और कृतज्ञता व्यक्त की। यह और भी अचिक सराहन्य है, क्योंकि हमने इसके लिए नहीं कहा था। प्रधानमंत्री के इस अप्रत्याशित दयाभाव और कृतज्ञता से मैं बहुत प्रभावित हूं। शर्मिंग मुखर्जी ने इसके साथ ही पीएम मोदी से अपनी मुलाकात और केंद्रीय शहरी एवं आवास मंत्रालय की चिट्ठी भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। उन्होंने लिखा है, 'बाबा (प्रणव मुखर्जी) का गहरा थे कि राजकीय सम्मान के लिए कहा नहीं जाना

चाहिए, बल्कि वह खुद ऑफर किया जाता है। मैं बहुत आभारी हूं कि प्रधानमंत्री मोदी ने बाबा की याद और सम्मान में ऐसा किया। इससे बाबा पर कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि वह अब इस दुनिया में नहीं हैं और वह प्रप्रसाद या अलोचना से परे रहे हैं लेकिन उनकी बेटी होने के नामे में अपनी खुशी को शब्दों में बताना नहीं कर सकती। प्रणव मुखर्जी जुलाई 2012 से जुलाई 2017 तक देश के राष्ट्रपति रहे थे। उन्हें 2019 में भारत रक्षा समानित किया गया था। कुछ दिनों पहले पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के लिए जब जब कांग्रेस कार्यसमिति ने एक बैठक कर उनके निधन पर दुख जताया था और उनका स्मारक बनाने के लिए प्रस्ताव परित किया था, तब शर्मिंग मुखर्जी ने यह सबाल भी उत्तराय था कि उनके पिता के निधन के बाद कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) की कोई बैठक नहीं बुलाई गई और कोई प्रस्ताव क्यों नहीं पारिया किया गया? शर्मिंग ने कहा था कि उह बुरा लगा था जब उनके पिता के निधन के बाद सीडब्ल्यूसी की कोई बैठक नहीं बुलाई गई। उन्होंने लिखा है, 'बाबा (प्रणव मुखर्जी) का गहरा थे कि राजकीय सम्मान के लिए कहा नहीं जाना

वाली सर्वोच्च इकाई है। उन्होंने सवाल किया, 'कांग्रेस को इसके लिए जब देना होगा? मैं केवल तथ्य बता सकती हूं।' लेकिन मैं बस इतना जोड़ना चाहती हूं कि मैं नहीं पता कि यह जानबूझकर किया गया था ये सरासर लापतवाही थी। इतनी पुरानी पार्टी में क्या परेपराएँ हैं?' शर्मिंग ने तब 'पीटीआई वींडिया' से कहा था, 'यदि राहुल गांधी और उनके आसपास के लोग यह नहीं जानते कि कांग्रेस ने ऐसी पूर्व स्थितियों में किस प्रकार कार्य किया, तो यह अपने आप में कांग्रेस के भीतर गंभीर और दुखद स्थिति है।'

कांग्रेस में नेहरू-गांधी परिवार के बाहर के नेताओं के योगदान को मान्यता देने के बारे में पछे जाने पर उन्होंने कहा, 'हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि (पूर्व प्रधानमंत्री) पी वी नरसिंह राव के साथ क्या किया गया था।' उन्होंने कहा, 'कांग्रेस का पूरा तंत्र, यानी उसका सोशल मीडिया, इस मुद्रे पर तथा कुछ अन्य मुद्रों पर मुझे और मेरे पिता को लगातार निशाना बना रहा था। मेरे और सबसे बड़े नेताओं में से एक मेरे पिता के खिलाफ जिस तरह

की भाषा का इस्तेमाल किया गया, उससे पता चलता है कि कांग्रेस का वास्तव में पतन हो चुका है।'

दिल्ली पुलिस ने अब तक करीब 100 बांगलादेशियों को किया डिपोर्ट



मालदीव के रक्षा मंत्री मोहम्मद घासन मौमून का नई दिल्ली के मानेकर्शा सेंटर में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने स्वागत किया।



केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नई दिल्ली में आगामी बजट के संबंध में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय तथा ग्रामीण विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों एवं वित्तीय सलाहकारों के साथ बैठक की।

विपक्ष के नेता देश को कमज़ोर करने वाले लोगों की आवाज उठाते हैं : सीएम नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (आरएनएस)। देश के अलग-अलग राज्यों में अवैध गहराई के ऊपर रहे रोहिण्यों के लिए इसका बैठक करावाइ जी जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि यदि केंद्रीय मंत्रिमंडल से कोई नेता छोटे देगा तो तुरंत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर देते हैं। विपक्ष की ये हालत है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष नेता लोगों की आवाज का जबाब देते हैं तो तुरंत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर सकते हैं। विपक्ष की ये हालत है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष नेता लोगों की आवाज नहीं उठाते। वे इस देश को बलियामाला में केरल के वलियामाला में लेकिन प्रोप्रलैन सिस्टम्स सेंटर (प्लापीएसी) के निदेशक के रूप में कार्यरक्ष के लिए एक स्पेशल क्लिक और पेशन मंत्रालय, कार्मिक और प्रशिक्षण के एक अधिकारिक आदेश के अनुसार, नारायण को अगले दो वर्षों तक इन भूमिकाओं में सेवा देने के लिए नियुक्त किया गया है।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में लगभग चार दशकों के अनुभव के साथ, नारायण ने इसरो में कई महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई हैं।

भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम में



नगर निगम के संभागीय कार्यालयों के अंतर्गत मुख्यमंत्री जनकल्पण अभियान शिविरों में हजारों हितग्राही हुए लाभावित



कड़कड़ाती ठंड में आधा शहर बूंद बूंद पानी को तरसा

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। कांग्रेस पार्षद दल के पूर्व पार्षद तेज कुमार भगत, कांग्रेस नेता पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष तरुण रोहितास ने नगर निगम महापौर एवं प्रशासन पर जनता के हितों की अनदेखी करने का आरोप लगाते हुए कहा कि पूरा शहर 3 दिनों से बूँद बूँद पानी के लिए तरस रहा है उसकी कोई सुध लेने वाला नहीं है न महापौर को शहर की चिंता है और न ही नगर निगम आयुक्त को 3 दिनों से शहर प्यासा है और जिम्मेदार कुंभकर्णीय निद्रा में मग्न है कांग्रेस नेताओं ने नगर निगम के कार्यप्रणाली की निंदा करते हुए कहा कि बिना वजह रेत नाका पर लगभग चौथी बार लाइन में लीकेज बनाने को लेकर शेड डाउन लिया गया है फिर काम की कोई गारंटी नहीं की लीकेज अब दोबारा नहीं होगा ऐसे शट डाउन से अधिकारी को कमीशन की लम्बी रकम मिलती है इसलिए बिना कोई ठोस कारण के ह्याद्वह्यस्थर 22 ले लिया जाता है और जनता को परेशानी उठाने के लिए छोड़ दिया जाता है। कांग्रेस नेताओं ने आवश्यक स्थानों पर तत्काल टैंकरों से जलापूर्ति करने की मांग एड तेज कुमार भगत, तरुण रोहितास, दीपक चौधरी, राजू उपाध्याय, भोला कोरी, कृष्णा समन, मलिक अंसारी, शहजाद भाई, दीपांकर सोनकर आदि ने की है।

दुर्घटना के बचाव हेतु एम.पी. ट्रांसको का रोको-टोको अभियान

चायनीज माइंड के ट्रांसमिशन लाइनों से संपर्क में आने से संभावित

स्थानों पर ट्रांसमिशन लाइनों में चायनीज मांझा के साथ पतंग फंसने की घटनाओं के बाद विद्युत व्यवधान हुआ था तथा पतंग उड़ाने वालों को भी नुकसान पहुँचा था। लेकिन एम.पी. ट्रांसको के संवेदनशील प्रोटेक्शन सिस्टम के 100 प्रतिशत ऑपरेट होने से बड़ी जनधन हानि से बचा जा सका था।

क्यों धातक है चायनीज मांझा
 चायनीज मांझा चीन से आने वाले धातु से लिपटी पतंग की डोरी होती है। इसमें कई तरह के केमिकल और ध्रुताऊओं का इस्तेमाल किया जाता है, जो डोरी को बिजली का अच्छा सुचालक बना देता है, जो संपर्क में आने से पतंग उड़ाने वाले के लिये धातक साबित होता है, साथ ट्रांसमिशन लाइन में लिपटने से व्यापक क्षेत्र में विद्युत व्यवधान और जनधन हानि की आशंका रहती है।

जबलपुर के ये हैं क्षेत्र संवेदनशील
जबलपुर में ऐसे क्षेत्र पोलीपाथर, शास्त्री
नगर, करमेता, अधारताल कंचनपुर के क्षेत्र हैं, जो
चाइनीस माझे के साथ पतंग उड़ाने के प्रति

पमरे ने जौ साह में लगभग 5977 करोड़ रुपये ओरिजिनेटिंग रेवेन्यु अर्जित किया।

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। महाप्रबंधक श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय के द्वारा विभिन्न बैठकों में समय-समय पर पश्चिम मध्य रेलवे की ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू बढ़ाने के निर्देश दिए जाते हैं। इसी कड़ी में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एवं प्रमुख मुख्य परिचालन प्रबंधक के निर्देशन में वाणिज्य/परिचालन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों व कर्मचारियों द्वारा कार्य करते हुए जबलपुर, भोपाल एवं कोटा तीनों मण्डलों में रेल राजस्व बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास भी किये जा रहे हैं। इस वित्तीय वर्ष के अप्रैल से दिसम्बर माह तक पश्चिम मध्य रेल ने लगभग कुल रुपये 5976 करोड़ 65 लाख का ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया है। जिसमें मद वाड्स आय पर नजर डालें तो यात्री यातायात से रुपये 1803 करोड़ 93 लाख, माल यातायात से रुपये 3878 करोड़ 40 लाख, अन्य कोचिंग मद में रुपये 132 करोड़ 17 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 162 करोड़ 15 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है। अकेले दिसम्बर माह में पश्चिम मध्य रेल ने 707 करोड़ 84 लाख रुपये ऑरिजिनेटिंग रेवेन्यू अर्जित किया। जिसमें यात्री यातायात से रुपये 194 करोड़ 72 लाख, माल यातायात से रुपये 489 करोड़ 01 लाख अन्य कोचिंग मद में रुपये 15 करोड़ 12 लाख एवं विविध आय यानि संड्री से रुपये 8 करोड़ 99 लाख का रेलवे राजस्व प्राप्त किया है।

नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के कैलेंडर का विमोचन हुआ



जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के प्रांतीय सचिव एडवोकेट पंडित राम दुबे नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ के संभाग संरक्षक पंडित योगेंद्र दुबे नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ की प्रांतीय संगठन सचिव कपिल आनंद दुबे नगर निगम नगर पालिका कर्मचारी संघ जबलपुर जिला अध्यक्ष पंडित अनिल तिवारी जिला सचिव बसंत पांडे नगर निगम इकाई अध्यक्ष हरनारायण पटेल मकेश रजक, रमेश मिश्रा अजाक्स के

प्रांतीय उपाध्यक्ष अजय सोनकर जिला
उपाध्यक्ष देवेश चौधरी जिला महासचिव
राकेश समुद्रे आपको सादर प्रकाश नाथ
पत्र प्रेषित है नगर निगम नगर पालिका
कर्मचारी संघ के कैलेंडर का विमोचन
आज दिनांक 09.01.2025 को संपन्न हुआ
जिसमें हमारे आमंत्रित अतिथि गण
माननीय महापौर महोदय श्री जगत बहादुर
सिंह अबू भैया जी माननीय पूर्व क्षेत्र
विधायक पूर्व कैबिनेट मंत्री मध्य प्रदेश
शासन माननीय लखन गंगोरिया जी
माननीय सांसद महोदय जी श्री आशोष

बे जी माननीय विधायक महोदय श्री अभिलाष पांडे जी माननीय आयुक्त होदया श्री प्रीति यादव जी माननीय सदन अध्यक्ष आदरणीय श्री रिकुज बिज जी माननीय नेता प्रतिपक्ष श्री अमरीश मिश्रा जी उपस्थित हुए वार्षिक कैलेंडर में समस्त वास्तविकीय अध्यक्ष अवकाश व्रत त्याहार के साथ-साथ संगठन की गतिविधियों और बंधित जानकारियां उपलब्ध हैं। इस वार्षिक कैलेंडर में जबलपुर संभाग के समस्त सम्मानित जन प्रतिनिधि एवं नगर लिकाओं के सम्मानित पदाधिकारी का लेख है जिससे संभाग जबलपुर में किसी कर्मचारी को किसी भी पालिका में संपर्क साधने में सुगमता होगी। इस कार्यक्रम में सभी इकाइयों के इकाई अध्यक्ष अर्पित दुबे बरेला, सुनील बैरागी भेड़ाघाट, गगन भाई शाहपुरा, दीपेश बबेले पाटन, जुगल किशोर राजपूत, शिवनारायण शुक्ला कटंगी, राम सजीवन चौधरी मझौली, मनोज खम्परिया, राजेंद्र दुबे सिहोरा, बेड़ी लाल, संतोष कुमार बेलवंशी पनागर व नगर निगम जबलपुर के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम योगी को भेजा पत्र

महाकृष्ण- महामारी से बचने मास्क लगाना अनिवार्य

जबलपुर (नगर प्रतिनिधि)। अपराधों के नियंत्रण के लिए सक्रिय मानव अधिकार एवं अपराध नियंत्रण संगठन ने प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान मास्क को अनिवार्य किए जाने की मांग की है। संगठन के जबलपुर अध्यक्ष डाक्टर अजय कुमार वाधवानी, एड. भावना निगम, एड. साक्षी भारद्वाज, डॉ. अभिषेक जैन, एड. आशीष त्रिपाठी, डॉ. आशीष डेंगरा, एड. विवेक शुक्ला, डॉ. प्रशांत जैन, एड. एनएल गौर, डॉ. आनन्द बहरानी, डॉ. राहुल अग्रवाल आदि ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर कहा है कि महाकुम्भ में भक्तों का भारी जनसैलाब उमड़ेगा, ऐसे में विभिन्न संक्रमण एवं रोगों के खतरे से बचने के लिए जरूरी है कि चेहरे पर मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया जाए जिससे लोगों को संक्रमण से बचाया जा सकता है।



मध्यप्रदेश शासन



डॉ. भूपेश बगेल

मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

देश का दिल लिख रहा विकास का नया अध्याय



नरेन्द्र मोदी

प्रधानमंत्री



इन्वेस्ट मध्यप्रदेश

अनंत संभावनाएँ

ग्लोबल इन्वेस्टसीसमिट

24

25

फरवरी 2025, भोपाल

समिट की घटनाएँ

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के
कार-कामलों से थुमारंभ

- ">> सेक्टोरल समिट
- ">> थीमेटिक सेमिनार
- ">> एजीबिशन एंड एक्सपो
- ">> प्रवासी मध्यप्रदेश



पंजीकरण करने के लिए
स्कैन करें।

www.investmp.in

